'नई योजनाओं से परंपरागत उद्योग को बढ़ावा मिलेगा'

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश डिजाइन एवं शोध संस्थान द्वारा एक जनपद एक उत्पाद और विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत आयोजित 10 दिवसीय प्रशिक्षण के समापन मौके पर मंगलवार प्रमाणपत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम में केन्द्रीय राज्य मंत्री जितेन्द्र सिंह ने लाभार्थियों को प्रमाणपत्र वितरित किए। इस मौके पर केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों ने कभी भी कारीगर समाज की तरफ ध्यान नहीं दिया और न ही उनके उत्थान के लिए कोई कार्य किया। 2014 से लेकर अब तक प्रधानमंत्री जी ने कारीगरों व शिल्पियो के लिए कई स्कीम लागू की हैं। जिससे परम्परागत उद्योग को बढ़ावा मिला है। वहीं उनके उत्पादों को

प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह का स्वागत किया।

वैश्विक पहचान व बाजार भी मिला है।संस्थान की अध्यक्ष शिप्रा शुक्ला उत्तर प्रदेश डिजाइन एवं शोध संस्थान के लिए हमारे प्रशिक्षु कारीगर, केवल कारीगर नहीं हैं। यह भारत की विकास यात्रा में कदम से कदम मिलाकर चलने वाले भारत का भविष्य हैं। इस दौरान करीब 1300 लाभार्थियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

सीएसआईआर-सीडीआरआई को समस्याएं बताएं उद्योग

लखनऊ। सीएसआईआर-सीडीआरआई जैसे शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थान से उद्योग जगत के प्रतिनिधि अपनी समस्याओं के समाधान के लिए मदद ले सकते हैं। अकादमिक और अनुसंधान संस्थानों की भागीदारी से स्टार्ट-अप और एमएसएमई संस्थाओं को बढावा मिल सकेगा। यह बातें केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने कही। उन्होंने यूपीआईडीआर में सीएसआईआर-सीडीआरआई की निदेशक डॉ. राधा रंगराजन द्वारा प्रस्तुत वैज्ञानिकों व कर्मचारियों की गतिविधियों का प्रस्तुतिकरण देखा।